भारत सरकार
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय
वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 583
(उत्तर देने की तारीख 23.07.2025)

वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) द्वारा विकसित प्रौद्योगिकियों को अपनाना/ सुलभ बनाना

† 583 श्री के. ई. प्रकाश:

क्या *विज्ञान और प्रौद्योगिकी* मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने तमिलनाडु के इरोड लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र में वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) द्वारा विकसित प्रौद्योगिकियों के बारे में जागरूकता बढ़ाने, इसे अपनाने या सुलभ बनाने में किसी अंतराल की पहचान की है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी क्षेत्र-वार वर्गीकरण (जैसे एमएसएमई, वस्त्र, खाद्य प्रसंस्करण, कृषि, आदि) का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार का जमीनी स्तर पर जागरूकता, क्षेत्रीय परिनियोजन और विज्ञान-आधारित समाधानों की उद्यमशीलता में वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए सीएसआईआर-हरित (उपयुक्त ग्रामीण हस्तक्षेप और प्रौद्योगिकियों का उपयोग) कार्यक्रम के अंतर्गत इरोड में एक क्षेत्रीय नवाचार आउटरीच हब या उपग्रह सुविधा केंद्र स्थापित करने का प्रस्ताव है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या सीएसआईआर प्रौद्योगिकियों के जिला-वार अपनाये जाने और परिणामों पर नज़र रखने के लिए कोई राष्ट्रीय डैशबोर्ड या निगरानी तंत्र मौजूद है और यदि हॉ, तो क्या इरोड से संबंधित आंकड़ों को सार्वजनिक रूप से सुलभ बनाया जा सकता है और यदि हॉ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी और पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

(डॉ. जितेन्द्र सिंह)

(क) सीएसआईआर प्रयोगशालाओं द्वारा विकसित प्रौद्योगिकियों और उत्पादों को आम आदमी तक पहुँचाने के लिए उन्हें अत्यधिक लोकप्रियता दी जाती है । सीएसआईआर की प्रौद्योगिकियों और उत्पादों को लोकप्रिय बनाने के लिए प्रयोगशाला स्तर के साथ-साथ मुख्यालय स्तर पर सोशल और प्रिंट मीडिया, प्रदर्शनियों, संगोष्ठियों और राज्य/राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनियों, उद्योग सम्मेलनों, विशेष अभियानों-वन वीक वन लैब (ओडब्ल्यूओएल) अभियान और वन वीक वन थीम (ओडब्ल्यूओटी) अभियान जैसे विभिन्न प्लेटफार्मों का उपयोग किया जाता है ताकि इन प्रौद्योगिकियों की राष्ट्रव्यापी पहुंच बन सके। इसके अतिरिक्त, सीएसआईआर द्वारा विकसित प्रौद्योगिकियों और उत्पादों को अपनाने/सुलभ बनाने में सुविधा प्रदान करने के लिए प्रयोगशाला स्तर के साथ-साथ मुख्यालय स्तर पर भी समर्पित व्यवसाय विकास समूह (बीडीजी) कार्यरत हैं।

(ख) एंव (ग) सीएसआईआर अपने घटकों से प्राप्त मात्रात्मक परिणामों की रिपोर्ट दर्पण पोर्टल पर देता है। यह पोर्टल राष्ट्र की परियोजनाओं की विश्लेषणात्मक समीक्षा का एक डैशबोर्ड है जिसे https://dsir.dashboard.nic.in पर देखा जा सकता है। इनमें प्रौद्योगिकियाँ (टीआरएल-6 और उससे ऊपर की विकसित, लाइसेंस प्राप्त और वाणिज्यिक); समझौता ज्ञापन और करार (राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय); जारी परियोजनाएँ; और पेटेंट एवं प्रकाशन तथा अन्य सम्मिलित हैं।

******